पलवैया धाम संदेश - त्रैमासिक पत्रिका

courtesy - Baba Ganinath sewaashram (reg-267/1999)

कुलदेवता जन्मस्थली - पलवैया धाम की कहानी

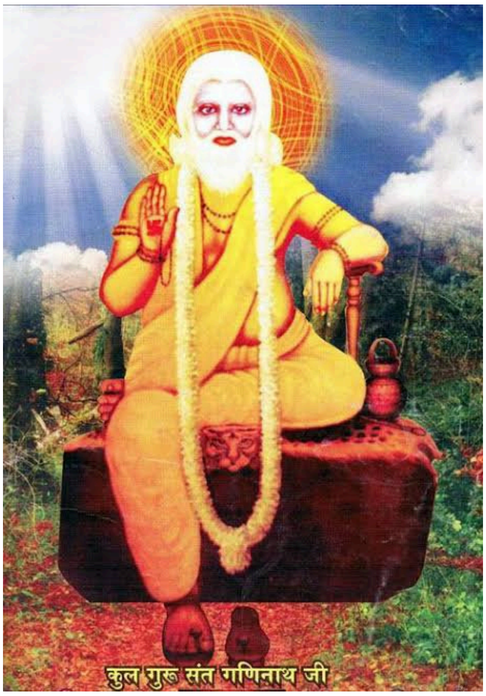

बाबा गणिनाथ की महिमा: आस्था

बिहार के वैशाली जिले के महनार में स्थित पलवैया धाम का इतिहास प्राचीन है। यह स्थान मध्यदेशीय वैश्य समाज (कानू हलवाई) के कुलदेवता बाबा गणिनाथ गोविंद जी का जन्मस्थान है। बाबा गणिनाथ को समाज में ज्ञान, साधना और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह धाम न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यहां भक्तों की आस्था और विश्वास की गाथा भी लिखी जाती है।

पलवैया धाम की अद्भुत महत्ता

पलवैया धाम वर्षों से हजारों भक्तों के लिए आस्था का केंद्र रहा है। लेकिन समय के साथ गंगा नदी के कटाव के कारण यह स्थल खतरे में आ गया। मंदिर और इससे

जुड़े सांस्कृतिक धरोहर के विलुप्त होने की संभावना ने न केवल स्थानीय निवासियों को बल्कि दूर-दराज के भक्तों को भी चिंतित कर दिया।

एक नए मंदिर की परिकल्पना

बाबा गणिनाथ के प्रति अपनी भक्ति और धरोहर को बचाने के उद्देश्य से बिहार के बुद्धिजीवी वर्ग और वैश्य समाज ने एक भव्य मंदिर निर्माण का प्रस्ताव रखा। इसके लिए बिदुपुर, महनार और हाजीपुर के कोनहाराघाट में नए मंदिर बनाने की योजना बनाई गई।

भक्तों का पुराना जुड़ाव

हालांकि, नए स्थलों पर मंदिर निर्माण का कार्य शुरू हो चुका था, परंतु भक्तों का भावनात्मक जुड़ाव प्राचीन पलवैया धाम से बना रहा। वे बार-बार वहीं जाकर पूजा-अर्चना करते रहे। इसे देखकर समाज के कुछ प्रमुख व्यक्तियों ने यह समझा कि लोगों की आस्था उस प्राचीन स्थान से अटूट है।

सेवाश्रम की स्थापना

इसी विचार को मूर्त रूप देने के लिए श्री महेश साह और श्रीमती चंद्रमुखी देवी एवं प्राचीन पलवैया धाम निवासी गण मिलकर बाबा गणिनाथ सेवाश्रम (रजिस्टर्ड -267/1999) की स्थापना की। सेवाश्रम के माध्यम से प्राचीन पलवैया धाम को पुनर्जीवित करने और वहां भव्य मंदिर निर्माण का सपना देखा गया। श्रीमती चंद्रमुखी देवी इस संस्थान की अध्यक्ष बनीं और महेश साह सचिव। श्री विमल कुमार साव, श्री रामनन्दन साह, श्री गंगा प्रसाद आजाद सतमलपुरी, श्री राम लखन साह , श्री जितेन्द्र कुमार जे पी प्रमुख सहयोगी रहे। श्री गिरिजा प्रसाद(पटना), श्री विजय गुप्ता(पटना), श्री कामेश्वर प्रसाद गुप्ता(समस्तीपुर), श्री रामचंद्र साह(समस्तीपुर), सच्चिदानंद प्रसाद (आरा) सक्रिय सदस्य रहे।

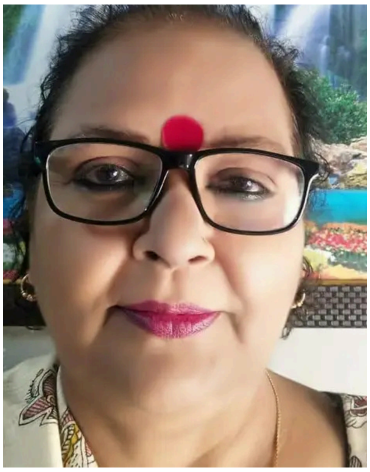

संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमुखी देवी

संस्थापक सचिव स्व० महेश साह

शुरुआत की कठिनाईयाँ

सेवाश्रम ने पहले चरण में जमीन खरीदकर निर्माण कार्य आरंभ किया। पटना, मुजफ्फरपुर और पश्चिम बंगाल से भी सहयोग मिला। श्री जगन्नाथ गुप्ता कलकत्ता, श्री रामनारायण साह कलकत्ता एवं गणिनाथ भक्तों का सहयोग प्राप्त हुआ। परंतु दुर्भाग्यवश, महेश साह गंभीर रूप से बीमार पड़ गए, और चंद्रमुखी देवी को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का सामना करना पड़ा। इस कारण मंदिर निर्माण की गति धीमी हो गई।

बाबा गणिनाथ सेवाश्रम के कार्यकारिणी में बदलाव हुआ एवं नए सदस्यों का चयन हुआ। सेवाश्रम के कई अन्य सदस्य प्रयासरत रहे, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी। ऐसे कठिन समय में मंदिर निर्माण का सपना अधूरा लगता था।

2009 में बाबा गणिनाथ सेवाश्रम पलवैया धाम के अध्यक्ष प्रो केदार प्रसाद साह जी के कहने पर विजय कुमार गुप्ता उर्फ गंगा बाबू (अ भा म वैश्य सभा के राष्ट्रीय मंत्री) अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा का राष्ट्रीय कार्यकारिणी का बैठक पलवैया धाम में कराकर बाबा गणिनाथ जी का मंदिर निर्माण में आर्थिक मदद का प्रस्ताव रखा । उस समय से पलवैया धाम में गंगा बाबू का अथक प्रयास चलता रहा।

सोशल मीडिया का चमत्कार

इस कठिन परिस्थिति में श्री पंकज कुमार (पटना), श्री अरविंद कुमार (कोलकाता) और डॉ. एस.के. विद्यार्थी (हाजीपुर) ने सोशल मीडिया का सहारा लिया, साथ में प्रमोद गुप्ता चंडीगढ़, राजेश गुप्ता बनारस , डॉ एसके सज्जन इत्यादि ने फेसबुक, व्हाट्सएप और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर जागरूकता अभियान चलाया। यह प्रयास पूरे देश में फैल गया, और भक्तों से आर्थिक और मानसिक सहयोग मिलना शुरू हुआ।

नया उत्साह और जोश

इस बीच, चमत्कारिक रूप से श्रीमती चंद्रमुखी देवी कैंसर से उबरकर स्वस्थ हो गईं। उन्होंने दुगुने जोश और ऊर्जा के साथ सेवाश्रम के कार्यों में योगदान दिया। उन्हें दोबारा सेवाश्रम की अध्यक्ष बनाया गया।

मंदिर निर्माण में सफलता

***मध्यदेशीय वैश्य महासभा* (तत्कालीन अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा) एवं सेवाश्रम के सदस्यों और समाज के अन्य प्रबुद्धजनों के सहयोग से पहले तल का निर्माण कार्य पूरा हुआ। कन्हैया प्रसाद गुप्ता के प्रयासों की वजह से अखिल**

भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रेमचंद साव ने इस कार्य में बड़ी भूमिका निभाई एवं उनके टीम के सदस्यों ने भरपूर सहयोग किया। निर्माण कार्य पूरा होते ही वहां एक भव्य आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। बाबा गणिनाथ की पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

दूसरे तल की चुनौती

पहले तल के निर्माण के बाद, दूसरे तल का निर्माण शुरू करना चुनौतीपूर्ण था। धन की कमी और संसाधनों की उपलब्धता में रुकावटें आ रही थीं। लेकिन समाज के समर्पित सदस्यों, जैसे श्री चंदन गांधी, श्री सुनील कुमार गुप्ता, श्री विजय कुमार गुप्ता, और श्री शत्रुघ्न प्रसाद गुप्ता, श्री मनोज कुमार गुप्त, श्री सुधीर कुमार गुप्ता, डॉ एसके विद्यार्थी ने मिलकर इन बाधाओं को पार किया। मध्यदेशीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार गुप्ता एवं उनके सहयोगी श्री प्रफुल्ल गुप्ता, श्री रंजीत गुप्ता, श्री विनय गुप्ता, श्री नवल किशोर गुप्ता, श्री चन्द्रशेखर साह, श्री शैलेन्द्र गुप्ता, श्री राजेश गुप्ता एवं उनकी पूरी टीम ने मिलकर भरपूर सहयोग दिया। दूसरे तल के निर्माण में बनारस के श्री मनोज मद्धेशिया जी का भरपूर सहयोग मिला।

श्री रमाकांत गुप्ता , श्री शंभू साह, श्री जयनाथ साह, श्री शिवनाथ साह, श्री दशरथ साह, श्री मंगल साह, श्री विजय गुप्ता, श्री रामविलास साह, श्री मुकेश कुमार मृदुल, श्री सुधीर कुमार गुप्ता,श्री संतोष कुमार गुप्ता सभी ने सहयोग दिया।

समाज की एकता का प्रतीक

दूसरे तल का निर्माण भी अंततः पूरा हुआ। मंदिर अब न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि समाज की एकता और अटूट विश्वास का प्रतीक बन चुका है। यह स्थान न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि जब समाज एकजुट होकर किसी उद्देश्य के लिए कार्य करता है, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

भविष्य के लिए प्रेरणा

बाबा गणिनाथ का यह भव्य मंदिर, पलवैया धाम, हर भक्त को यह प्रेरणा देता है कि आस्था और विश्वास में अपार शक्ति होती है। यह कहानी हमें सिखाती है कि कठिनाई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, एकता और समर्पण से हर सपना साकार किया जा सकता है।

बाबा गणिनाथ गोविंद जी की महिमा सदैव अमर रहेगी, और यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

बाबा गणिनाथ सेवाश्रम की कार्यकारिणी ने रजत जयंती समारोह मनाने का निर्णय लिया है। 14 जनवरी को श्रीगणिनाथ मंदिर , प्राचीन पलवैया धाम परिसर में रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा।

शिक्षित बनें　　संगठित बनें　　संघर्ष करें

बाबा गणिनाथ सेवाश्रम पलवैया

हसनपुर गुर्दा, महनार, जिला-वैशाली (बिहार) पिन-844 506

पंजियन संख्या :
267/1999

सम्मान समारोह

सेवा में,

श्रीमान्/श्रीमती...

....

मान्यवर,

कुलदेवता गणिनाथ जी महाराज के जन्मस्थली पलवैया (हसनपुर, महनार) में बाबा गणिनाथ सेवाश्रम पलवैया अपना रजत जयंती समारोह (25 वाँ वर्षगाँठ) दिनांक 14 जनवरी 2025 (मंगलवार) को मनाने जा रहा है । महाशय समाज में विशिष्ठ योगदान देने हेतु उक्त अवसर पर सेवाश्रम परिवार ने आपको सम्मानित करने का निर्णय लिया है ।

अतः उक्त तिथि को 11 बजे दिन में बाबा गणिनाथ सेवाश्रम पलवैया (हसनपुर उत्तरी, महनार) में उपस्थित होकर हमें अनुगृहीत करें ।

कार्यक्रम

दिनांक 14 जनवरी 2025
11 बजे से सम्मान समारोह, 2 बजे से मकरसंक्रान्ति भोज

दर्शनाभिलाषी	स्वागताकांक्षी	विनीत
विमल कुमार साव	शत्रुघ्न प्र० गुप्ता (संयोजक)	चन्द्रमुखी देवी
रामलखन साह	जयनाथ साह	(अध्यक्ष)
	राम विलास साह	
	रामाकांत गुप्ता	
	विजय कु० गुप्ता (गंगा बाबु)	

लक्ष्मी प्रेस,

कहानी विस्तार से - अगले अंक में

पलवैया धाम मंदिर से जुड़े कुछ गणिनाथ भक्तों के नाम छूट गए हैं, अगली कहानी पूरे विस्तार से प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें मंदिर निर्माण से जुड़े सभी भक्तों का वर्णन रहेगा।

"बाबा गणिनाथ सेवाश्रम" कार्यकारिणी द्वारा प्रस्तुत।